आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ

सप्त-दिवसीय सेमीनार

दिनांक -18 से 24 नवम्बर 2025

विषय- भारतीय संस्कृति को जैन न्याय की उपयोगिता

जैन न्याय की उपयोगिता पर राष्ट्रीय संगोष्ठी आज से

जासं, कानपुर : सीएसजेएमयू में 'भारतीय संस्कृति को जैन न्याय की उपयोगिता' विषय पर आनलाइन संगोष्ठी का शुभारंभ मंगलवार से होने जा रहा है। सप्ताह भर के कार्यक्रम में न्याय शास्त्र के विशेषज्ञ डा. वीरसागर, दिल्ली, डा. अनेकांत जैन, दिल्ली, डा धर्मेंद्र जैन, जयपुर, डा. नरेंद्र कुमार जैन, टीकमगढ़, प्रो. धर्मचंद्र जैन, जयपुर, डा. अनिल कुमार जैन शामिल होंगे।

न्याय शास्त्र से होता है निर्भयता का संचार

जागरण संवाददाता, कानपुर : छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ में 'भारतीय संस्कृति को जैन न्याय की उपयोगिता' विषय पर मंगलवार से शुरू हुई संगोष्ठी में वक्ताओं ने कहा कि न्याय शास्त्री है। इससे मनुष्यों में निर्भयता का संचार होता है। आप्त एवं अनाप्त में भेद को समाप्त करने में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

संगोष्ठी में शामिल हुए लाल बहादुर शास्त्री केंद्रीय संस्कृत विवि, दिल्ली के जैन दर्शन विभागाध्यक्ष प्रो. वीरसागर जैन ने कहा कि न्याय शास्त्र की उपयोगिता पूरे मानव जगत में सर्वाधिक है। यह हमें निष्पक्ष बनाता है। समझने, समझाने तथा वस्तु-विषयक गलतियों को समझाने में मदद करता है। यह हमें आग्रहवाद, भावुकता, मोह तथा मदांध से मुक्ति दिलाकर चित्त को निर्मल बनाता है। पीठ के न्यासी डा. राजतिलक जैन ने कहा कि हमारे अंदर समन्वय की भावना होनी चाहिए तभी विश्व में शांति स्थापित हो सकती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पीठ निदेशक प्रो. अशोक कुमार जैन और संचालन आचार्य राहुल जैन ने किया। सभी अतिथियों के प्रति आभार-ज्ञापन डा. कोमलचंद्र जैन ने और मंगलाचरण पाठ छात्रा अंशु जैन ने किया।

माननीय कुलपति महोदय के संरक्षण में दिनांक 18 -24 नवम्बर 2025 तक छत्रपति शाहू जी महाराज वि.वि. परिसर स्थित आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ में "भारतीय संस्कृति को जैन न्याय की उपयोगिता" विषय पर सप्तदिवसीय ऑनलाइन सेमिनार आयोजित किया गया जिसमें अनेक स्थानों से जैन न्याय के विद्वानों ने व्याख्यान दिए | जिन्होंने भारतीय संस्कृति को जैन न्याय की महत्ता पर महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए तथा आधुनिक युग में जैन न्याय की क्या उपयोगिता रहेगी विषय में संक्षेप में बताया | इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. अशोक कुमार जैन,निदेशक आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ, मुख्य वक्ता-प्रो. वीर सागर जैन, लालबहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत वि.वि., दिल्ली, डॉ. अनेकांत जैन, लालबहादुर शास्त्री केन्द्रीय संस्कृत वि.वि., दिल्ली, डॉ. धर्मेन्द्र जैन, केन्द्रीय संस्कृत वि.वि., जयपुर, डॉ. नरेंद्र कुमार जैन, पूर्व प्राचार्य,टीकमगढ़, प्रो. धर्मचन्द्र जैन, पूर्व विभागाध्यक्ष, जयनारायण व्यास वि.वि.,जोधपुर, डॉ. अनिल जैन, प्राचार्य, श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर, प्रो. अशोक कुमार जैन, निदेशक, आचार्य विद्यासागार सुधासागर जैन शोध पीठ, कानपुर, प्रो. विजय कुमार जैन, निदेशक, बी.एल. रिसर्च इंस्टीट्यूड,दिल्ली ने क्रमवत्-'न्याय शास्त्र के अध्ययन की आवश्यकता', 'जैन परम्परा में नय का स्वरूप एवं उपयोगिता', 'जैन न्याय के विकास में आचार्य अकलंक का योगदान, 'जैन न्याय को आचार्य समन्तभद्र का अवदान', 'प्रमाण शास्त्र के विकास में जैनाचार्यों का योगदान, 'जैन न्याय के विकास में आधुनिक विद्वानों एवं आचार्यों का योगदान, 'जैन न्याय के प्रमुख सिद्धांत अनेकांत एवं स्याद्वाद एवं 'बौद्ध न्याय की रूपरेखा' विषयों में अपना वक्तव्य दिया | कार्यक्रम में मुख्य-अतिथि के रूप में प्रो. विनय कुमार पाठक, कुलपति महोदय, प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, प्रति-कुलपति, डॉ. राजतिलक जैन, डॉ. नीता दवे जैन, श्री प्रदीप जैन 'तिजारा वाले, श्री महेंद्र जी कटारिया, सी.ए. सुधीन्द्र जैन, सी.ए. अरविंद जैन, श्री विनीत जैन, श्री कमलेश जैन आदि न्यासीगण जुड़े | कार्यक्रम का संचालन- आचार्य राहुल जैन, डॉ. कोमलचंद्र जैन ने किया | मंगलाचरण –श्रीमती अंशु जैन, श्रीमती शैली जैन, श्रीमती रेनु जैन, विदुषी रिया जैन, विदुषी अक्षरा जैन एवं विदुषी शैली जैन ने किया | इस कार्यक्रम में जितेन्द्र कुमार यादव, अंशु जैन, शिखा जैन, श्वेता जैन, रूबी जैन, नीलम जैन, रजनी जैन , शिप्रा जैन, स्मिता जैन, अंजुली जैन, डॉ. प्रिया जैन, पूनम जैन आदि ऑफलाइन व ऑनलाइन माध्यम से अनेक लोग जुड़े |

जैन न्याय की उपयोगिता पर संगोष्ठी 18 से

कानपुर। सीएसजेएमयू स्थित आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ में 18 से 24 नवंबर तक राष्ट्रीय संगोष्ठी होगी। भारतीय संस्कृति को जैन न्याय की उपयोगिता विषय पर होने वाली संगोष्ठी में दोपहर दो बजे से ऑनलाइन व्याख्यान होंगे। इसमें न्याय शास्त्र के विशेषज्ञ दिल्ली से डॉ. वीरसागर, डॉ. अनेकांत जैन, प्रो. विजय कुमार जैन, जयपुर से डॉ. धर्मेंद्र जैन, प्रो. धर्मचंद्र जैन, डॉ. अनिल कुमार जैन, टीकमगढ़ से डॉ. नरेंद्र कुमार जैन, कानपुर से प्रो. अशोक कुमार जैन शामिल होंगे। (ब्यूरो)

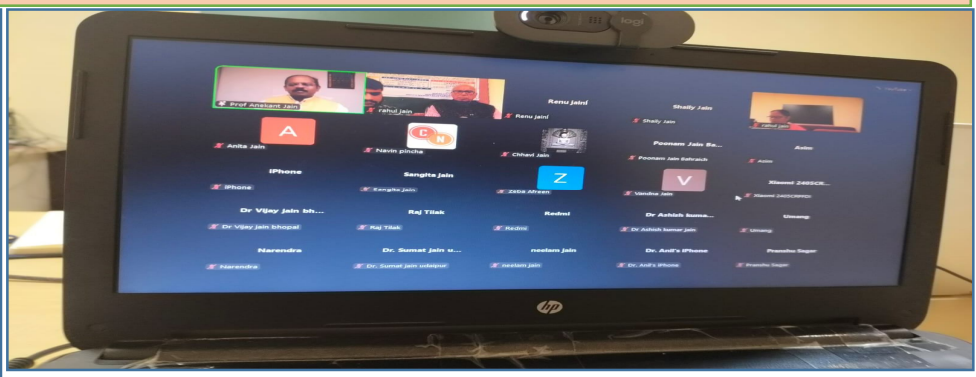

भगवान बुद्ध व महावीर के मार्ग का अनुशीलन कर शांति प्राप्त करें

- सीएसजेएमयू में आयोजित हुई आनलाइन संगोष्ठी
- भारतीय संस्कृति को जैन न्याय की उपयोगिता विषय पर चर्चा

जागरण संवाददाता, कानपुर : सीएसजेएमयू में आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ की ओर से भारतीय संस्कृति को जैन न्याय की उपयोगिता विषय पर आनलाइन संगोष्ठी हुई। बीएल इंस्टीट्यूट, दिल्ली के निदेशक प्रो. विजय कुमार जैन ने बौद्ध न्याय की रूपरेखा विषय पर संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमें संसार, शरीर एवं भोगों की अनित्यता पर विचार बौद्ध दर्शन में प्राप्त है।

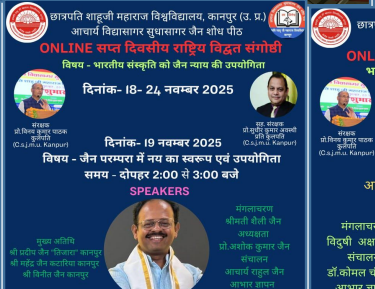

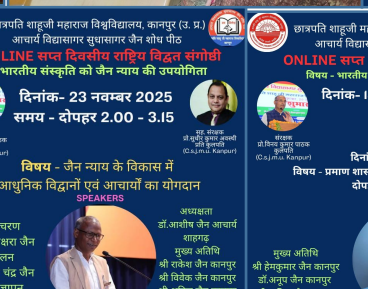

हम कैसे दुखों से निर्वाण को प्राप्त करें, यह बौद्ध दर्शन के चिंतन का महत्वपूर्ण आयाम है। हमें दृष्टि में परिवर्तनशीलता को दृष्टिगत करना चाहिए। उन्होंने बौद्ध दर्शन के विकास में प्राचीन आचार्यों की जैसे दिङ्नाग धर्मकीर्ति, प्रलाकगुप्त तथा वर्तमान में पंडित केशव मिश्र, मोक्ष कर व उपाध्याय यशो विजय की तर्क भाषाओं का तुलनात्मक दृष्टि से अध्ययन कर समाज में दर्शन के क्षेत्र में अपनी दृष्टियों के साथ सहिष्णुता एवं समन्वय के सूत्रों को बताया। उन्होंने कहा कि बौद्ध दर्शन के चार आर्य सत्यों के साथ मिल कर, प्रज्ञाशील एवं समाधि के मार्ग को निरुपित कर जन-जन के कल्याण किया है। हमें भगवान बुद्ध तथा भगवान महावीर के मार्ग का अनुशीलन कर सुख, शान्ति को प्राप्त करना चाहिए। यहां शोध पीठ के निदेशक प्रो. अशोक कुमार जैन, न्यासी सीए अरविंद कुमार जैन, राहुल जैन, डा. कोमलचंद्र जैन, जितेन्द्र सहित अन्य लोग शामिल रहे।

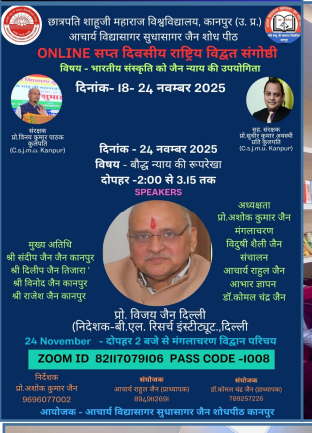

भगवान महावीर का मार्ग शांति का आधार

कानपुर। छत्रपति शाहूजी महाराज विवि के आचार्य विद्यासागर–सुधासागर जैन शोध पीठ में चल रही भारतीय संस्कृति में जैन न्याय की उपयोगिता विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी का समापन सोमवार को हुआ। बीएल इंस्टीट्यूट दिल्ली के निदेशक प्रो. विजय कुमार जैन ने बौद्ध दर्शन में संसार एवं भोगों की अनित्यता, दुखों से मुक्ति तथा निर्वाण मार्ग की व्याख्या की। उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध और भगवान महावीर का मार्ग समाज में शांति, सहिष्णुता और करुणा का आधार है जिसे अपनाया जाना चाहिए। सत्र की अध्यक्षता शोध पीठ के निदेशक प्रो. अशोक कुमार जैन ने की। उन्होंने संगोष्ठी में आलेख प्रस्तुत करने वाले विद्वानों के प्रति आभार व्यक्त किया। संयोजन सीए अरविंद कुमार जैन, राहुल जैन, डॉ. कोमल चंद्र जैन व जितेंद्र आदि ने किया। (ब्यूरो)

बुद्ध व महावीर के मार्ग पर चलने से मिलेगी शांति

कानपुर। सीएसजेएमयू की आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ की ओर से चल रही संगोष्ठी के अंतिम दिन भारतीय संस्कृति को जैन न्याय की उपयोगिता विषय पर मंथन हुआ। दिल्ली स्थित बीएल इंस्टीट्यूट के निदेशक प्रो. विजय कुमार जैन ने कहा हमें संसार, शरीर एवं भोगों की अनित्यता पर विचार बौद्धदर्शन में प्राप्त है। अध्यक्षता शोध पीठ के निदेशक प्रो. अशोक कुमार जैन ने की।